# Day – 1: 22rd February, 2019 (Friday)

Welcome of guests and Registration

**Lamp Lightning and Saraswati Pooja**

**Welcome and Felicitation**

**Guests Speech**

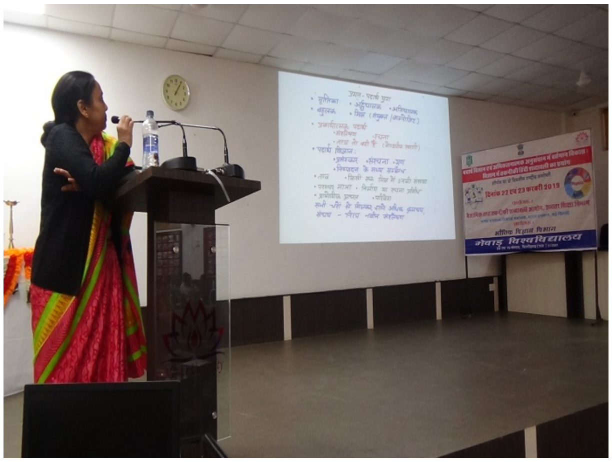

Technical Session I and Session II

## Day – 2: 23rd February, 2019 (Saturday)

Lamp Lightening and Saraswati Pooja

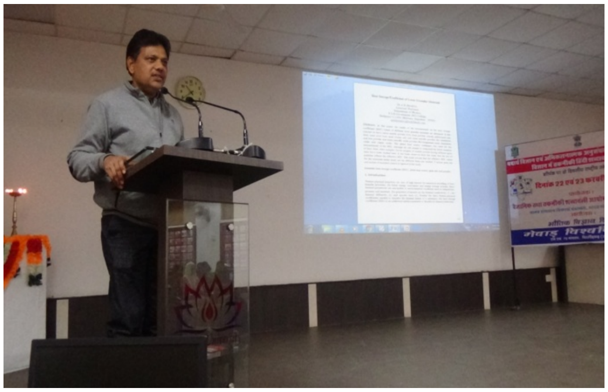

**Technical Session III and Session IV**

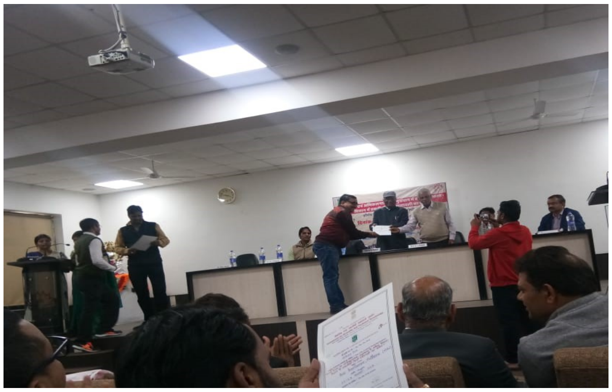

**Valedictory Function and Certificate distribution**

# दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आज से

गंगरार | वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय दिल्ली एवं मेवाड़ विश्वविद्यालय के तत्वाधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शुक्रवार से शुरू होगी।

पदार्थ विज्ञान के क्षेत्र में तकनीकी हिन्दी शब्दावली के प्रयोग को लेकर संगोष्ठी हो रही है। सीएसटीटी दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. अवनीश कुमार, विशिष्ट अतिथि पूर्व कुलपति कोटा विश्वविद्यालय प्रो. एमएल कालरा अधिष्ठाता, पेसिफिक विश्वविद्यालय के प्रो. एससी आमेटा व मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति वीके वैद्य अतिथि होंगे। संगोष्ठी विश्वविद्यालय के महाराणा प्रताप सेमिनार हॉल में होगी। संयोजन भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. गुलजार अहमद करेंगे। संगोष्ठी में चार सत्र रखे गए हैं।

# विज्ञान के पाठ्यक्रम में हो हिन्दी शब्दों का प्रयोग

गंगरार। वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली एवं मेवाड़ विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी का समापन शनिवार को हुआ। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति कोटा विश्वविद्यालय, डॉ. एम.एल. कालरा ने बताया कि विज्ञान विषय को आमजन में ज्यादा से ज्यादा प्रसारित किया जाना चाहिए और यह तभी संभव है जब हम विषय में हिन्दी भाषा का प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि अध्यापकों को हिन्दी भाषी किताबों के प्रकाशन पर ध्यान देना चाहिए जिससे छात्रों में इसके प्रति रुचि जागृत हो सके। विशिष्ट अतिथि डॉ. एस.सी. आमेटा ने कहा कि उच्च शिक्षा में अंग्रेजी माध्यम में विषय सामग्री अधिक होने के कारण हिन्दी माध्यम के कई छात्र इस समस्या के चलते उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। विजय राज सिंह शेखावत ने वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग की स्थापना से लेकर आज तक किए गए कार्यों के बारे में जानकारी दी। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. वी.के. वैद्य ने संस्कृत भाषा की महत्वता बताई। समापन समारोह में डॉ. नीलू चौहान, डॉ. अनिल कुमार शोत्रीय, डॉ. एन.एल. हेड़ा, डॉ. एम.एल. काकानी, डॉ. आर.एल. पिथलिया उपस्थित थे। संयोजन भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. गुलजार अहमद द्वारा किया गया।

# विज्ञान के पाठ्यक्रम में हो हिन्दी शब्दों का प्रयोग

## मानव संसाधन विकास मंत्रालय नई दिल्ली एवं मेवाड़ विश्वविद्यालय के तत्वावधान में संगोष्ठी

गंगरार के मेवाड़ विश्वविद्यालय में शनिवार को दो दिवसीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर मौजूद लोग व छात्र-छात्राएं।

गंगरार. वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग मानव संसाधन विकास मंत्रालय नई दिल्ली एवं मेवाड़ विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी का समापन हुआ। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति कोटा विश्वविद्यालय डॉ. एमएल कालरा ने बताया कि विज्ञान विषय को आमजन में ज्यादा से ज्यादा प्रसारित किया जाना चाहिए और यह तभी संभव है जब हम विषय मे हिन्दी भाषा का प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि अध्यापकों को हिन्दी भाषी किताबों के प्रकाशन पर ध्यान देना चाहिए ताकि छात्रों में इसके प्रति रुचि जागृत हो सके। विशिष्ट अतिथि अधिष्ठता पेसिफिक विश्वविद्यालय डॉ. एससी आमेटा ने कहा कि उच्च शिक्षा में अंग्रेजी माध्यम में विषय सामग्री अधिक होने के कारण हिन्दी माध्यम के कई छात्र इस समस्या के चलते उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि एक अंग्रेजी शब्द के कई मतलब निकलते हैं जबकि एक हिन्दी शब्द का एक ही मतलब निकलता है।

उन्होंने विश्वविद्यालय के अध्यापकों को सलाह दी और कहा कि विज्ञान के पाठ्यर म में तकनीकी शब्दावली को हिन्दी में समझाया जाए ताकि हिन्दी माध्यम के छात्रों को इसका लाभ मिल सके। सीएस टीटी नई दिल्ली से विजयराज सिंह शेखावत ने वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग की स्थापना से लेकर अब तक किए गए कार्यों की जानकारी दी। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. वीके वैद्य ने संस्कृत भाषा की महत्वत्ता बताते हुए कहा कि संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है एवं संस्कृत के शब्दों का प्रयोग तकनीकी शिक्षा में होना चाहिए। दो दिवसीय सेमिनार में कुल चार सत्र हुए। जिनकी अध्यक्षता क्रमशः डॉ. आरके पालीवाल, डॉ. बीएल यादव, डॉ. सीके शर्मा एवं डॉ. जेपीएन ओझा ने की। सेमिनार के समापन समारोह में विभागाध्यक्ष रसायन विज्ञान कोटा विश्वविद्यालय से डॉ. नीलू चौहान, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय शाहपुरा से डॉ. अनिल कुमार शोत्रीय, डॉ. एनएल हेड़ा, डॉ. एमएल काकानी, डॉ. आरएल पिथलिया, विश्वविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राए मौजूद थे। सेमिनार का संयोजन भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. गुलज़ार अहमद ने किया।

## सार समाचार

# मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय संगोष्ठी संपन्न

**चित्तौड़गढ़ ( प्रातःकाल संवाददाता )।** वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली एवं मेवाड़ विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी शनिवार को सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति कोटा विश्वविद्यालय, डॉ. एम.एल. कालरा ने बताया कि विज्ञान विषय को आमजन में ज्यादा से ज्यादा प्रसारित किया जाना चाहिए और यह तभी संभव है जब हम विषय मे हिन्दी भाषा का प्रयोग करे। उन्होंने बताया कि अध्यापकों को हिन्दी भाषी किताबो के प्रकाशन पर ध्यान देना चाहिए जिससे छात्रों में इसके प्रति रुचि जागृत हो सके। विशिष्ट अतिथि अधिष्ठता, पेसिफिक्क विश्वविद्यालय, डॉ. एस. सी आमेटा, सी.एस. टी.टी. विजयराज सिंह शेखावत, मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. वी.के वैद्य, डॉ. आर. के. पालीवाल, डॉ. बी.एल. यादव, डॉ. सी.के. शर्मा एवं डॉ. जे.पी.एन. ओझा द्वारा विचार व्यक्त किये गये।

**News in Newspapers**